लेखक का परिचय :

मुकेश कुमार सिंह (15 वर्ष से अधिक सफल अध्यापन कार्य)
सिविल सेवा, राज्य लोक सेवा आयोग का साक्षात्कार देने का अनुभव
संस्थापक : देवघर सक्सेस सेंटर, देवघर, झारखण्ड
Youtube Channel : Mukesh's Prayas

About the Author

मुकेश कुमार सिंह ने 1996 में पटना विश्वविद्यालय से इतिहास में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। लेखक को देश के प्रतिष्ठित सिविल सेवा संस्थानों में 15 वर्ष से अधिक समय तक सामान्य अध्ययन हेतु सफल मार्गदर्शन देने का अनुभव रहा है। वे कोचिंग संस्थान देवघर सक्सेस सेंटर, देवघर, झारखण्ड के संस्थापक और निदेशक हैं। झारखण्ड के सामान्य ज्ञान की अध्ययन सामग्री को पाठ्यक्रम में निरंतर आ रहे बदलाव के परिप्रेक्ष्य में अधिक अद्यतन, सुग्राह्य व परीक्षोपयोगी बनाने का हर संभव प्रयास किया गया है ताकि कठिन परिश्रम करने वाले सभी अभ्यर्थी इससे अधिकतम लाभ उठा सकें।

About the Book

यह पाठ्यपुस्तक आपकी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता पाने का सबसे अच्छा साधन है। यह पुस्तक झारखण्ड में आयोजित होने वाली सभी परीक्षाओं के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को कवर करती है और झारखण्ड SCERT की सभी पाठ्यपुस्तकों के महत्वपूर्ण बिंदुओं को भी शामिल करती है। पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों के महत्वपूर्ण बिंदुओं का भी इस पाठ्यपुस्तक में समावेश है, जिससे आपकी तैयारी सबसे अच्छी हो सके। इस पाठ्यपुस्तक में झारखण्ड के आर्थिक एवं सांख्यिकीय आँकड़ों का समावेश हैं | जिससे आपको किसी भी डाटा या आँकड़ों के लिए किसी और पुस्तक की जरूरत नहीं पड़ेगी | हर अध्याय के अंत में, आपको पिछले प्रश्न पत्रों और अन्य विश्वसनीय स्रोतों से चुने गए अभ्यास प्रश्न मिलेंगे। यह पाठ्यपुस्तक स्व-अध्ययन के लिए बनाई गई है, जो सभी टॉपिक्स को सरल और आसान भाषा में समझाती है। अगर आप इस पाठ्यपुस्तक को गंभीरता से पढ़ते हैं और पूरी करते हैं, तो आप आसानी से परीक्षा के 80% सवाल हल कर पाएँगे। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत मेहनत की है कि यह पाठ्यपुस्तक आपकी पूरी तैयारी के लिए पर्याप्त है, तो आज ही इस पाठ्यपुस्तक का गहन अध्ययन करना शुरू करें और अपने सपने को हकीकत में पूरा करने की ओर एक बड़ा कदम उठाएँ!

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें

Buy books at great discounts on: www.examcart.in | www.amazon.in/examcart |

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

CB1833

झारखण्ड सामान्य ज्ञान
अध्ययन पुस्तक
ISBN - 978-93-5703-655-9
9 789357 036559
₹ 249

झारखण्ड सामान्य ज्ञान अध्ययन पुस्तक

CB1833

AGRAWAL EXAMCART

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

INCREDIBLE STATE

झारखण्ड सामान्य ज्ञान

झारखण्ड के ऐतिहासिक, भौगोलिक, आर्थिक व सांस्कृतिक सहित सभी विषयों का सरल भाषा में नवीनतम आँकड़ों के साथ समावेश।

एक सम्पूर्ण एवं सरलीकृत पाठ्यपुस्तक

JPSC, JSSC, झारखण्ड दरोगा एवं झारखण्ड पुलिस आदि परीक्षाओं के लिए उपयोगी।

अब करो सम्पूर्ण अध्ययन एवं अभ्यास वो भी एक ही पुस्तक से!

मुख्य विशेषताएँ

सम्पूर्ण थ्योरी

झारखण्ड राज्य की सभी परीक्षाओं के पाठ्यक्रमानुसार एक सम्पूर्ण और सरलीकृत पाठ्यपुस्तक।

1750+ प्रश्न

वर्ष 2000 से अब तक के विगत वर्षों से चयनित सबसे महत्वपूर्ण प्रश्नों का अध्यायवार समावेश।

मुकेश कुमार सिंह

Code	Price	Pages	ISBN
CB1833	₹249	264	978-93-5703-655-9

विषय सूची

➔ परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचना v

सामान्य ज्ञान 1-260

1. भारत में झारखण्ड की स्थिति मानचित्र 1-2

2. झारखण्ड राजनीतिक 3-4

3. झारखण्ड का नामकरण तथा झारखण्ड के राजकीय प्रतीक 5-7

- झारखण्ड का नामकरण
- झारखण्ड के नए प्रतीक चिह्न
- झारखण्ड के पुराने प्रतीक चिह्न
- झारखण्ड के राजकीय पुष्प
- झारखण्ड के राजकीय वृक्ष
- झारखण्ड के राजकीय पशु
- झारखण्ड के राजकीय पक्षी
- झारखण्ड की राजभाषा
- झारखण्ड की द्वितीय राजभाषा

4. झारखण्ड एक दृष्टि 8-21

5. झारखंड के जिले और उनका स्थापना दिवस 22-60

- झारखंड गठन के बाद बने जिले
- देवघर
- साहेबगंज
- पाकुड़
- जामताड़ा
- दुमका
- गोड्डा
- राँची
- पूर्वी सिंहभूम
- हजारीबाग
- धनबाद
- बोकारो
- लोहरदगा
- रामगढ़
- पलामू
- सिमडेगा
- चतरा
- गिरिडीह
- पश्चिमी सिंहभूम
- सरायकेला–खरसावां
- कोडरमा
- गढ़वा
- खूंटी
- लातेहार
- गुमला

6. झारखण्ड में जनजातियाँ एवं उनकी संस्कृति 61-84

- झारखण्ड की जनजातियाँ
- झारखण्ड की जनजाति एवं उनके निवास स्थल
- झारखण्ड की जनजातियों के उपनाम
- झारखण्ड की जनजाति, उनके ग्राम प्रमुख और धार्मिक प्रधान
- झारखण्ड की जनजाति की विवाह पद्धति
- विभिन्न जनजातियों में प्रचलित विवाह
- जनजातीय भाषाएँ

7. झारखण्ड की कला एवं संस्कृति 85-103

- झारखण्ड की कला एवं संस्कृति
- चित्रकला
- झारखण्ड के लोकगीत
- झारखण्ड के नृत्य
- वाद्य यंत्र
- झारखण्ड में प्रमुख मंदिर
- प्रमुख किले /राजप्रसाद
- प्रमुख मेले

- अन्य मेले
- झारखण्ड के पर्व–त्योहार
- वस्त्र – आभूषण
- जनजातियों के आभूषण
- खान–पान
- जनजाति एवं उनकी संस्कृति के पिछले वर्ष के प्रश्न एवं उनकी व्याख्या

8. झारखण्ड का इतिहास **104-132**

- झारखण्ड का प्राचीन इतिहास
- झारखण्ड का मध्यकालीन इतिहास
- झारखण्ड का आधुनिक इतिहास
- झारखण्ड के क्षेत्रीय राजवंश
- झारखण्ड के प्रमुख विद्रोह
- भारत के स्वतंत्रता संघर्ष और झारखण्ड

9. झारखंड के भूगोल **133-162**

- अपवाह प्रणाली
- झारखण्ड की भू–गर्भिक संरचना
- झारखण्ड का धरातलीय स्वरूप/भौतिक स्वरूप/प्राकृतिक स्वरूप
- झारखण्ड की मिट्टियाँ
- कृषि
- सिंचाई
- बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएँ
- विद्युत परियोजनाएँ
- झारखण्ड में वन
- झारखण्ड के खनिज संसाधन
- अन्य उद्योग
- झारखण्ड के खनिज संसाधन से संबंधित विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों के आधार पर कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न एवं उसकी व्याख्या
- झारखण्ड की जलवायु

10. झारखंड की राजव्यवस्था **163-183**

- झारखंड की कार्यपालिका
- झारखंड के राज्यपाल
- झारखंड के मुख्यमंत्री
- झारखंड की प्रथम मंत्रिपरिषद्
- झारखंड का वर्तमान मंत्रिपरिषद्
- झारखंड की राजव्यवस्था के महत्वपूर्ण तथ्य
- झारखंड की विधायिका
- महत्वपूर्ण तथ्य
- झारखण्ड की न्यापालिका
- उच्च न्यायालय
- झारखंड लोक सेवा आयोग
- झारखंड की प्रशासनिक व्यवस्था
- झारखंड राज्य पुलिस संरचना
- झारखंड में स्थानीय स्वशासन व्यवस्था
- छावनी बोर्ड

11. झारखंड सरकार की प्रमुख योजनाएँ **184-190**

- मुण्डा–मानकी शासन व्यवस्था
- मुण्डा शासन व्यवस्था
- नागवंशी शासन व्यवस्था
- पड़हा पंचायत शासन व्यवस्था
- माँझी–परगनैत शासन व्यवस्था
- ढोकलो सोहोर शासन व्यवस्था

12. झारखंड : विविध **191-218**

- बिरसा मुण्डा
- महेन्द्र सिंह धोनी सम्पूर्ण परिचय
- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस
- प्रमुख स्थान एवं निकटतम नदियाँ
- राष्ट्रीय राजमार्ग
- नगर निगम
- झारखंड में ईसाइयों का प्रवेश
- जिलों में प्रमुख पर्यटक स्थल
- झारखंड के महत्वपूर्ण तथ्य व घटनाएँ
- झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन
- झारखंड के प्रसिद्ध मुक्केबाज
- झारखंड के प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी
- झारखंड के प्रसिद्ध एथलीट
- झारखंड के प्रसिद्ध शतरंज खिलाड़ी
- झारखंड के प्रसिद्ध पर्वतारोही खिलाड़ी
- झारखंड के प्रसिद्ध ताईक्वांडो खिलाड़ी
- झारखंड के प्रसिद्ध योग खिलाड़ी
- झारखंड के प्रसिद्ध लोन बॉल खिलाड़ी
- झारखंड के प्रमुख कोच

13. झारखण्ड एग्जाम पॉइंटर **219-260**

अध्याय 3 झारखण्ड का नामकरण तथा झारखण्ड के राजकीय प्रतीक

झारखण्ड का नामकरण

- ऐतरेय ब्राह्मण – पुण्ड/पुण्ड्र – प्रथम साहित्यिक उल्लेख
- ऋग्वैदिक साहित्य में – किक्कट
- उत्तरवैदिक साहित्य में – व्रात्य प्रदेश
- वायुपुराण में – मुरण्ड
- विष्णु पुराण में – मुण्ड
- भागवत पुराण में – किक्कट प्रदेश
- महाभारत के दग्विजय पर्व में – पुंडरिक देश/पशुभूमि
- कौटिल्य के अर्थशास्त्र में – कुकुट/कुकुट देश
- समुद्रगुप्त के प्रयाग प्रशस्ति में – मुरूण्ड देश
- पूर्व मध्यकालीन संस्कृत साहित्य में – कलिन्द देश
- फाहियान ने कहा – कुक्कट लाड
- टॉलेमी ने कहा– मुण्डल
- झारखण्ड शब्द का प्रथम पुरातात्विक प्रमाण – 13वीं सदी ई. के एक ताम्रपत्र लेख में
- मुस्लिम इतिहाकारों ने कहा – झारखण्ड
- अबुल फजल के अकबरनामा में – झारखण्ड
- अबुल फजल के आइन-ए-अकबरी में कोकरा/संकराह
- मुगल काल में – खुखरा/कुकरा
- तुजुक-ए-जहांगीरी में – खोखरा
- भक्तिकालीन कवियों कबीर एवं जायसी ने झारखण्ड का अपनी रचनाओं में नामोल्लेख किया है।

झारखण्ड के नए प्रतीक चिह्न

- झारखण्ड सरकार द्वारा निर्मित नए प्रतीक चिह्न कब से प्रभावी हैं– 15 अगस्त, 2020।
- नए प्रतीक चिह्न का आकार या विन्यास कैसा है– वृत्ताकार–राज्य की प्रगति का प्रतीक।
- प्रतीक चिह्न में प्रयुक्त हरा रंग झारखण्ड की हरी–भरी धरती और वन संपदा को प्रतिबिंबित करता है।
- नए जारी किए गए प्रतीक चिह्न में कुल घेरों की संख्या है–7।
- प्रथम घेरे (बीच वाले घेरे) में अशोक स्तंभ एवं सत्यमेव जयते लिखा है। अशोक स्तंभ भारत के उत्तम सहकारी संघवाद और देश के विकास में झारखण्ड की भागीदारी को प्रदर्शित करता है।
- दूसरे घेरे में सफेद रंग के 60 गोल घेरे दर्शाए गए हैं जो रिक्त हैं।
- तीसरे घेरे में मानव आकृति प्रदर्शित की गई है, जिनकी कुल संख्या 48 है, जो 24 जोड़े के रूप में दिखाए गए हैं।
- चौथे घेरे में झारखण्ड के राजकीय पुष्प पलाश को दर्शाया गया है, जिसकी संख्या 24 है। पलाश प्राकृतिक सौंदर्य का परिचायक है।
- पाँचवें घेरे में झारखण्ड के राजकीय पशु हाथी को दर्शाया गया है, जिसकी संख्या 24 है। हाथी एश्वर्य, प्रचूर प्राकृतिक संसाधनों और समृद्धि को दर्शाता है।
- छठे घेरे में हिन्दी में झारखण्ड सरकार एवं अंग्रेजी में GOVERNMENT OF JHARKHAND लिखा है।
- सातवाँ घेरा–यह भी प्रथम घेरे की तरह रिक्त है।
- प्रतीक चिह्न में प्रयुक्त सौरा चित्रकारी राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। सौरा चित्रकारी ओडिशा राज्य के लाउदा आदिवासियों के द्वारा घरों की दीवारों पर बनाई जाने वाली चित्रकारी को कहा जाता है। यह चित्रकारी, जिसे ईकोन या इडिताल भी कहते हैं। इस चित्रकला के अंतर्गत प्रत्येक चित्र में एक आयताकार फ्रेम बनाया जाता है जिसके अन्दर विभिन्न देवताओं के प्रतीक चिह्न होते हैं। चित्रकारी का उद्देश्य-1. देवताओं और पूर्वजों को प्रसन्न करना, 2. बीमारियों को दूर करना, 3. उर्वरता में वृद्धि और 4. मृतकों का सम्मान। चित्रकारी के लिए दीवारों पर लाल मिट्टी से पुताई की जाती है। सफेद रंग के रूप में पिसे हुए चावल के लेप का प्रयोग किया जाता है। चित्रकारी के लिए बाँस की लकड़ी की एक कुची (ब्रश) बनाई जाती है। काला रंग दिए से उत्पन्न कालिख से तैयार किया जाता है। इस चित्रकारी में चित्रकार को इडितालमार कहा जाता है।

झारखण्ड के पुराने प्रतीक चिह्न

झारखण्ड सरकार

- झारखण्ड के पुराने प्रतीक चिह्न में अंग्रेजी के चार 'J' अक्षरों के बीच अशोक चक्र अंकित है।
- यहाँ 'J' झारखण्ड के द्योतक हैं।
- वहीं चक्र गतिशीलता, परिवर्तन और प्रगति का प्रतीक है।

- हरियाली और समृद्धि के प्रतीक हरे रंग से निर्मित इस प्रतीक चिह्न में चार 'J' अक्षरों द्वारा एक सफेद वर्ग का निर्माण हुआ है, जो सादगी, शुचिता और सामाजिक समरसता को प्रतिबिम्बित करता है।
- झारखण्ड सरकार ने इस राज चिह्न को फरवरी, 2002 ई॰ में स्वीकृति प्रदान की।
- इस राज चिह्न का डिजाइन राष्ट्रीय अभिकल्पना संस्थान, अहमदाबाद के अमिताभ पांडे ने बनाया था।

झारखण्ड के राजकीय पुष्प

- झारखण्ड सरकार ने 'राजकीय पुष्प' का दर्जा दिया है– पलाश।
- झारखण्ड राज्य के राजचिह्न में भी इसे स्थान प्राप्त है।
- पलाश झारखण्ड के प्राकृतिक सौंदर्य एवं सुरम्यता को प्रतिबिंबित करता है।
- पलाश को संस्कृत में 'किंशुक' कहते हैं।
- पलाश को 'ढाक' और टेसू/टुसु भी कहा जाता है।
- पलाश को 'जंगल की ज्वाला' भी कहा जाता है, क्योंकि खिलने के बाद दूर से देखने पर लगता है जैसे जंगल में आग लगी हो।
- पलाश का वैज्ञानिक नाम– ब्यूटिया फ्रांडोसा।

झारखण्ड के राजकीय वृक्ष

- झारखण्ड के राजकीय वृक्ष है – साल
- साल वृक्ष का वैज्ञानिक नाम – शोरिया रोबस्टा (SHOREA ROBUSTA)।
- साल एक द्विबीजपत्री बहुवर्षीय वृक्ष है। इसकी लकड़ी बहुत ही कठोर, भारी, मजबूत तथा भूरे रंग की होती है। इसलिए इसकी लकड़ी इमारती कामों में प्रयोग की जाती है।
- साल को **'सखुआ' अथवा 'साखू'** भी कहते हैं।
- साल के पुष्पों को **'सरई फूल'** कहते हैं।
- साल के बीजों से तेल निकाला जाता है जिसे **'कुजरी तेल'** कहते हैं। जो प्राकृतिक चिकित्सा के लिए बहुत उपयोगी है।
- इसे संस्कृत में **'अग्निवल्लभा','अश्वकर्ण' या 'अश्वकर्णिका'** कहते हैं।
- हिमालय की तलहटी से लेकर तीन से चार हजार फुट की ऊँचाई तक और झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, बंगाल, बिहार तथा असम के जंगलों में प्रमुखता से उगता है।
- झारखण्ड अपने साल वृक्षों के कारण प्रसिद्ध है। ये साल वृक्ष झारखण्ड के लोगों के जीवन का आधार है।
- भारत, वर्मा तथा श्रीलंका में साल की कुल मिलाकर नौ जातियाँ हैं, जिनमें 'शोरिया रोबस्टा' प्रमुख है।

झारखण्ड के राजकीय पशु

- झारखण्ड का राजकीय पशु है – हाथी।
- हाथी का वैज्ञानिक नाम – एलिफास मैक्सिमस इंडिकस।
- हाथी का वैज्ञानिक वर्गीकरण–
  जगत – जंतु
  संघ – रज्जुकी
  वर्ग – स्तनपायी
  गण – प्रोबोसिडी
  कुल – एलिफैंटिडी
  वंश – एलिफास
  जाति – ए॰ मैक्सिमस
- हाथी का गर्भकाल -22 महीनों का
- जन्म के समय हाथी का बच्चा -104 किलो
- जीवन काल -50 से 70 वर्ष
- हाथियों की सर्वाधिक संख्या – कर्नाटक – असम – केरल।
- विश्व में सबसे ज्यादा हाथी पाए जाते हैं - लाओस – लाओस को हाथियों का देश भी कहा जाता है।

झारखण्ड के राजकीय पक्षी

- झारखण्ड के राजकीय पक्षी – कोयल।
- कोयल का वैज्ञानिक नाम – **यूडाइनेमिस स्कोलोपेकस** (EUDYNAMYS SCOLOPACEUS)।
- कोयल झारखण्ड के अतिरिक्त पुडुचेरी की भी राजकीय पक्षी है।
- कोयल को **'सारंग'** के नाम से भी जाना जाता है।
- कोलय को **'वसंत का अग्रदूत'** कहा जाता है।
- नर कोयल नीलापन लिए काली होती है, मादा तीतर की तरह धब्बेदार चितकबरी होती है।
- उसकी आँखें लाल व पंख पीछे की ओर लंबे होते हैं।
- नर कोयल ही गाता है।
- इसकी विशेषता है कि ये अपना घोंसला नहीं बनाती। ये दूसरे पक्षियों विशेषकर कौओं के घोंसले के अंडों को गिरा कर अपना अंडा उसमें रख देती है।
- कोयल का पसंदीदा आहार कैटरपिलर है।

झारखण्ड की राजभाषा

- झारखण्ड की राजभाषा है– हिन्दी।

झारखण्ड की द्वितीय राजभाषा

- झारखण्ड में द्वितीय राजभाषा की संख्या कितनी है- 16
- झारखण्ड राजभाषा अधिनियम, 2011 के अंतर्गत 12 क्षेत्रीय भाषाओं को द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया– उर्दू, संथाली, मुंडारी, हो, खड़िया, खोरठा, कुरमाली, नागपुरी, बंगाली, उड़िया, कुरुख और पंचपरगनिया।
- झारखण्ड राजभाषा अधिनियम, 2018 के अंतर्गत 4 और क्षेत्रीय भाषाओं को द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया – मैथिली, अंगिका, भोजपुरी और मगही।

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. झारखण्ड का राजकीय फूल कौन–सा है ?
(A) गुलाब (B) कमल
(C) पलाश (D) गेंदा

2. झारखंड राज्य के गठन के बाद चार नए जिले बनाए गए –
(A) राजमहल, लातेहार, घाटशिला, चक्रधरपुर
(B) मधुपुर, सिमडेगा, बरही, सरायकेला–खरसावाँ
(C) ढालभूम, रामगढ़, खूँटी, नगर उंटारी
(D) लातेहार, सिमडेगा, जामताड़ा, सरायकेला –खरसावाँ

3. झारखण्ड की स्थापना के बाद कितने जिले जोड़े गए हैं ?
(A) 1 (B) 4
(C) 6 (D) 8

4. झारखण्ड भारत का कौन–सा राज्य है ?
(A) 23 वाँ (B) 27 वाँ
(C) 28 वाँ (D) 29 वाँ

5. झारखण्ड राज्य का गठन कब हुआ?
(A) 15 नवंबर, 2000
(B) 15 नवंबर, 2001

(C) 15 नवंबर, 2002
(D) 15 नवंबर, 2003

6. झारखण्ड भारत का कौन–सा राज्य है ?
(A) 30वाँ (B) 29वाँ
(C) 28वाँ (D) 27वाँ

7. झारखण्ड राज्य का गठन किस वर्ष हुआ था ?
(A) 2001 (B) 2004
(C) 2000 (D) 1999

8. झारखण्ड निर्माण के समय राज्य में कितने जिले थे?
(A) 18 (B) 20
(C) 22 (D) 24

9. MLA टेकलाल महतो, जिन्होंने एक अलग राज्य के रूप में झारखंड की स्थापना में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वे किस विधानसभा क्षेत्र से जनप्रतिनिधि थे?
(A) धनबाद (B) रामगढ़ (मांडु)
(C) राँची (D) पलामू

10. झारखंड का अधिकारिक राज्य पशु कौन है ?
(A) कस्तूरी हिरन (B) हाथी
(C) जंगली भैंसा (D) शेर

11. झारखंड एक राज्य कब बना?
(A) 15 नवंबर, 2000 (B) 15 नवंबर, 2001
(C) 14 नवंबर, 2001 (D) 14 नवंबर, 2002

12. किस वर्ष में झारखंड राज्य के रूप में अस्तित्व में आया ?
(A) 2001 (B) 1999
(C) 1990 (D) 2000

13. अलग झारखंड राज्य की माँग को लेकर किसने 'लालखंड' का नारा दिया था ?
(A) विनोद बिहारी महतो
(B) शिबू सोरेन
(C) ए. के. रॉय
(D) रघुनाथ महतो

14. झारखंड का आधिकारिक राज्य पुष्प कौन–सा है ?
(A) पलाश (B) कमल
(C) कांधल (D) जरूल

15. 15 नवंबर, 2000 को किसकी जयंती पर झारखंड का गठन एक पृथक् राज्य के रूप में किया गया था?
(A) भगवान बिरसा मुंडा
(B) बाबा तिलका माँझी
(C) कान्हू मुर्मू
(D) सिद्धू मुर्मू

16. वर्ष 2000 में झारखंड राज्य के गठन के लिए दक्षिण बिहार से कितने जिले लिए गए थे?
(A) 18 (B) 19
(C) 13 (D) 12

17. भारत में झारखंड राज्य के गठन के लिए अधिनियमित किए गए अधिनियम का नाम बताइए?
(A) बिहार मुक्ति विधेयक, 2000
(B) जवाहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000
(C) बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000
(D) बिहार संघ अधिनियम, 2000

18. 15 नवंबर, 2000 को झारखंड राज्य का गठन हुआ था और इस दिन झारखंड में निम्नलिखित व्यक्ति का जन्मदिन भी है?
(A) सईद अहमद (B) द्रौपदी मुर्मू
(C) सैयद सिब्ते रजी (D) बिरसा मुंडा

19. झारखंड राज्य के वर्तमान राजभवन का निर्माण किस वर्ष से हुआ था ?
(A) मार्च, 1935 (B) मार्च, 1940
(C) मार्च, 1947 (D) मार्च, 1931

20. झारखंड में 2000 में गठन के समय से कितनी बार चुनाव हुए हैं?
(A) 5 (B) 6
(C) 3 (D) 4

21. झारखण्ड का शाब्दिक अर्थ क्या है?
(A) सांपों की भूमि (B) जंगल की भूमि
(C) नदियों की भूमि (D) पहाड़ों की भूमि

22. झारखंड का राजकीय जानवर कौन–सा है ?
(A) हाथी (B) गाय
(C) शेर (D) भालू

23. झारखंड का राजकीय पक्षी कौन–सा है ?
(A) मैना (B) तोता
(C) कोयल (D) मोर

24. झारखंड का राजकीय वृक्ष कौन–सा है?
(A) आम (B) बरगद
(C) साल (D) बाँस

25. छोटा नागपुर में किसे 'मरांग गोमके' के नाम से भी जाना जाता है ?
(A) महेंद्र सिंह धोनी (B) जयपाल सिंह
(C) लक्ष्मी पाडिया (D) निक्की प्रधान

26. सरायकेला–खरसावाँ जिले को निम्न में से किस अन्य नाम से भी जाना जाता है ?
(A) सरायकेला– बन्नू (B) सरायकेला–छऊ
(C) सरायकेला– कहहु (D) सरायकेला– ठौ

27. झारखंड का राजकीय फूल कौन–सा है ?
(A) गुलाब (B) लिली
(C) पलाश (D) कमल

28. जामताड़ा के किस नेता ने रक्त, आँसू और अन्य विज्ञापनों के माध्यम से आंदोलनों का जीवित रखा?
(A) शरत चंद्र राय (B) विश्वास राय
(C) नरसिंह राय (D) वीर दास

29. झारखंड राज्य के गठन के बाद पहली बार यहाँ राष्ट्रपति शासन कब लगाया गया ?
(A) 19 जनवरी, 2009
(B) 13 जनवरी, 2009
(C) 12 फरवरी, 2007
(D) 16 मई, 2010

30. निम्न में से कौन–से पक्षी को झारखंड का राज्य पक्षी माना गया है ?
(A) ग्रेट इंडियन बस्टर्ड
(B) सारस क्रेन
(C) ग्रीन इम्पीरियल पीजन
(D) एशियन कोयल

31. किस पशु को झारखंड के राज्य – पशु का दर्जा दिया गया है?
(A) ऐशियाटिक लॉयन
(B) इंडियन एलीफेंट
(C) अल्पाइन मस्क डीयर
(D) इंडियन ग्रे मोंगूज

32. पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्रालय, भारत के अनुसार इनमें से कौन-सा फूल झारखंड का राज्य पुष्प माना जाता है?
(A) पलाश (B) लोटस
(C) मैरीगोल्ड (D) रोहीरा

33. झारखंड का राज्य पशु है–
(A) शेर (B) हाथी
(C) हिरण (D) अजगर

उत्तरमाला

1. (C)	**7.** (C)	**14.** (A)	**21.** (B)	**28.** (C)
2. (D)	**8.** (A)	**15.** (A)	**22.** (A)	**29.** (A)
3. (C)	**9.** (B)	**16.** (A)	**23.** (C)	**30.** (D)
4. (C)	**10.** (B)	**17.** (C)	**24.** (C)	**31.** (B)
5. (A)	**11.** (B)	**18.** (D)	**25.** (B)	**32.** (A)
6. (C)	**12.** (D)	**19.** (D)	**26.** (B)	**33.** (A)
	13. (C)	**20.** (D)	**27.** (C)	

❑❑